दिखने में खूबसूरत

वांग श्वो

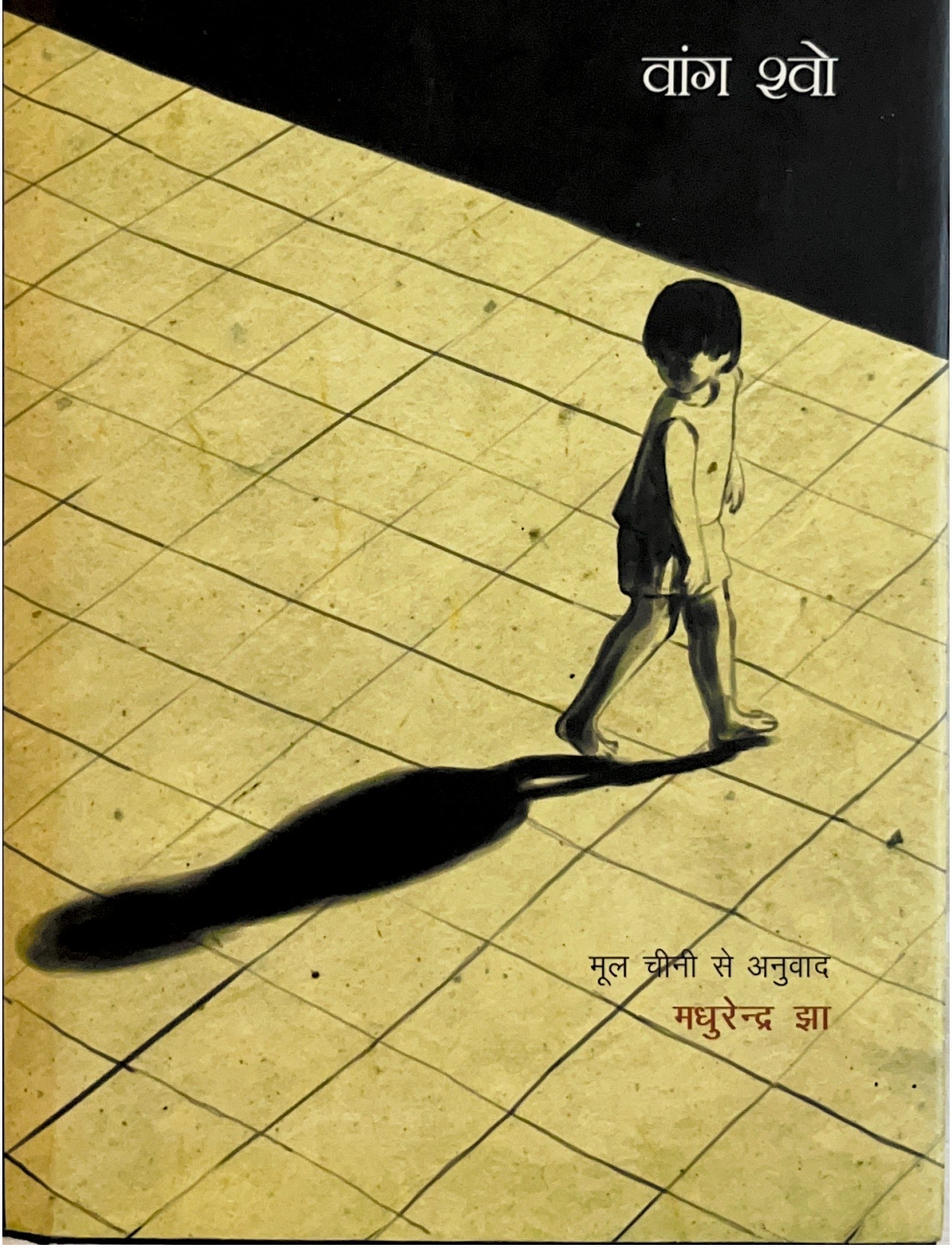

मूल चीनी से अनुवाद

मधुरेन्द्र झा

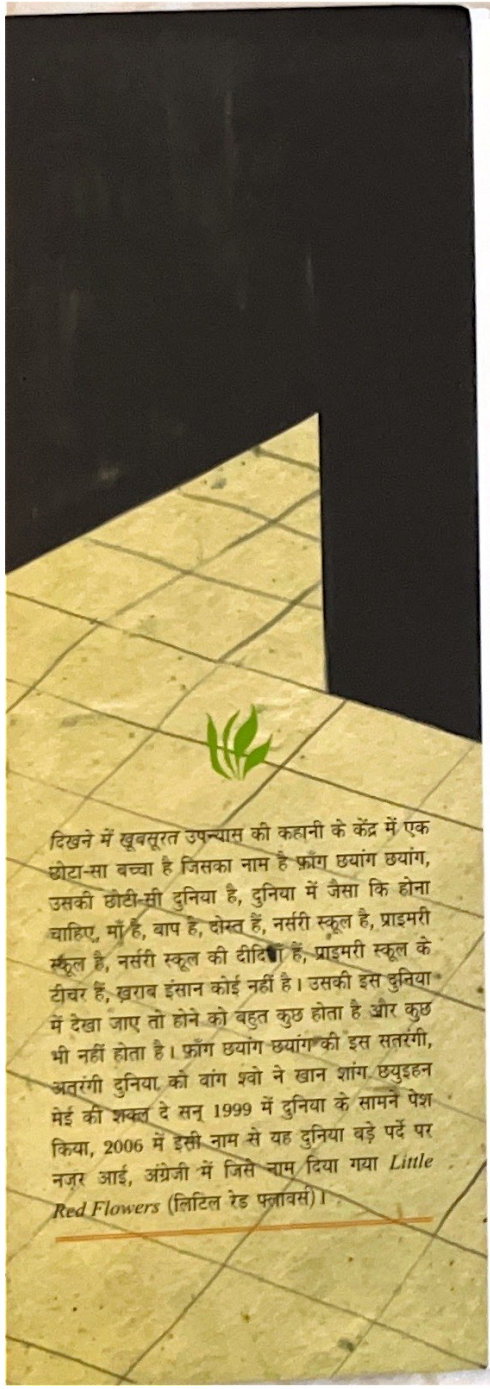

दिखने में खूबसूरत उपन्यास की कहानी के केंद्र में एक छोटा-सा बच्चा है जिसका नाम है फ्रॉग छ्यांग छ्यांग, उसकी छोटी-सी दुनिया है, दुनिया में जैसा कि होना चाहिए, माँ है, बाप है, दोस्त हैं, नर्सरी स्कूल है, प्राइमरी स्कूल है, नर्सरी स्कूल की दीदियाँ हैं, प्राइमरी स्कूल के टीचर हैं, खराब इंसान कोई नहीं है। उसकी इस दुनिया में देखा जाए तो होने को बहुत कुछ होता है और कुछ भी नहीं होता है। फ्रॉग छ्यांग छ्यांग की इस सतरंगी, अतरंगी दुनिया को वांग श्वो ने खान शांग छ्युइहन मेई की शक्ल दे सन् 1999 में दुनिया के सामने पेश किया, 2006 में इसी नाम से यह दुनिया बड़े पर्दे पर नज़र आई, अंग्रेजी में जिसे नाम दिया गया *Little Red Flowers* (लिटिल रेड फ्लावर्स)।

दिखने में खूबसूरत

दिखने में खूबसूरत

वांग श्वो

मूल चीनी से अनुवाद

मधुरेन्द्र झा

दिखने में खूबसूरत

वांग श्वो

मूल चीनी से अनुवाद

मधुरेन्द्र झा

nbt.india
एकः सूते सकलम्

विदेश प्रचार एवं लोक राजनय प्रभाग
(विदेश मंत्रालय)
भारत सरकार
कमरा नं. 255, ए विंग
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001
की पहल

सर्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना, इस प्रकाशन का कोई भी हिस्सा किसी पुनर्प्राप्ति प्रणाली में, किसी भी रूप में या किसी भी तरह से, इलेक्ट्रानिक, मैकेनिकल, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या अन्यथा, पुनः प्रस्तुत, प्रेषित या संग्रहीत नहीं किया जा सकता है।

ISBN 978-81-237-8730-5

पहला संस्करण : 2019 (*शक* 1940)

© विदेश प्रचार एवं लोक राजनय प्रभाग एवं राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत

निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-2, वसंत कुंज
नई दिल्ली-110070 द्वारा प्रकाशित

आइडियल पब्लिशिंग साल्यूशंस, दिल्ली द्वारा शब्द संयोजन तथा
गोपसंस पेपर्स लिमिटेड, नोयडा द्वारा मुद्रित

वांग श्वो

वांग श्वो (*Wang Shuo, 1958*) : चीन के च्यांग सु प्रांत की राजधानी नानचिंग में बीसवीं शताब्दी के अंठावनवे साल के आठवें महीने के तेइसवें दिन जन्में। खुराफ़ाती साहित्य के सरगना वांग श्वो, अब तक बीस से ज़्यादा किस्से-कहानियाँ और टीवी, फिल्मों के लिए पटकथाएँ लिख चुके हैं। एक फिल्म यूएनच्याफूस (*Father* फादर, 2000) का निर्देशन कर चुके वांग श्वो, कभी बुद्धिजीवियों से, तो कभी सरकार से छत्तीस का आंकड़ा रखने वाले वांग श्वो का नाम आज के चीन के अग्रणी साहित्यकारों, अफ़सानानिगारों में शुमार है। ऊपर से खुराफ़ाती और मसखरे सरीखे दिखने वाले वांग श्वो के अंदर जो एक संजीदा इंसान, बारीक लेखक मौजूद है, *दिखने में खूबसूरत* उस की बेमिसाल मिसाल है।

मधुरेन्द्र झा

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से चीनी भाषा, साहित्य व संस्कृति की पढ़ाई करने वाले मधुरेन्द्र झा का किसी उपन्यास का यह पहला अनुवाद है। दून विश्वविद्यालय के चीनी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत मधुरेन्द्र, पेकिंग विश्वविद्यालय में विजिटिंग फेलो रह चुके हैं और वर्तमान में हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विजिटिंग फेलो हैं।

आवरण चित्रांकनः

इलन-चेलियन

उसे लगने लगा था कि उसे दिखाना चाहिए कि उसे खुद पर कितना नाज़ है।

मैं कितना खूबसूरत हूँ। पूरी नर्सरी में ढूँढ़ने पर भी मेरे जैसा कोई दूसरा नहीं मिलने वाला। मुझे ज्यादा मिलनसार बनने की कोई ज़रूरत नहीं है। यह हम बच्चे, जिनमें न बल, न बुद्धि, न ही चरित्र का विकास शुरू हुआ है जो अभी भी बहुत भोले हैं; इन सब के बीच सिर्फ एक ही इंसान है जो सर्वगुण संपन्न है, जिसके ज्ञान और आचरण का कोई सानी नहीं है, जिसका विकास संपूर्ण है, जो न तो बेवकूफ़ है, न ही सुस्त, और वह हूँ मैं, किसी को भी अब मुझे फूलदान बुलाने की इज़ाज़त नहीं है।

ये बड़ी अच्छी बात है कि इसे गलती मानने की समझ है। वाइस–प्रिंसिपल चांग अपना चश्मा ठीक करती हुई बोलीः मुद्दा ये नहीं है कि गलती बड़ी है या छोटी। असली मुद्दा है इंसान का रवैया अच्छा है या बुरा। क्या वह गलती की तह तक जा पा रहा है? गलती की वजह ढूँढ़ पा रहा है। सुधार तभी मुमकिन है, अगर नहीं तो फिर सारी बातें बेकार है।

nbt.india
एकः सूते सकलम्

ISBN 812378730-8

9 788123 787305

दिखने में खूबसूरत

वांग श्वो

मूल चीनी से अनुवाद

मधुरेन्द्र झा

दिखने में खूबसूरत उपन्यास की कहानी के केंद्र में एक छोटा-सा बच्चा है जिसका नाम है फ़ॉग छ्यांग छ्यांग, उसकी छोटी-सी दुनिया है, दुनिया में जैसा कि होना चाहिए, माँ है, बाप है, दोस्त हैं, नर्सरी स्कूल है, प्राइमरी स्कूल है, नर्सरी स्कूल की दीदियाँ हैं, प्राइमरी स्कूल के टीचर हैं, खराब इंसान कोई नहीं है। उसकी इस दुनिया में देखा जाए तो होने को बहुत कुछ होता है और कुछ भी नहीं होता है। फ़ॉग छ्यांग छ्यांग की इस सतरंगी, अतरंगी दुनिया को वांग श्वो ने खान शाग छ्युइहन मेई की शक्ल दे सन् 1999 में दुनिया के सामने पेश किया, 2006 में इसी नाम से यह दुनिया बड़े पर्दे पर नजर आई, अंग्रेजी में जिसे नाम दिया गया *Little Red Flowers* (लिटिल रेड फ्लावर्स)।

दिखने में खूबसूरत

वांग श्वो

उसे लगने लगा था कि उसे दिखाना चाहिए कि उसे खुद पर कितना नाज है।

मैं कितना खूबसूरत हूँ। पूरी नर्सरी में ढूँढने पर भी मेरे जैसा कोई दूसरा नहीं मिलने वाला। मुझे ज्यादा मिलनसार बनने की कोई जरूरत नहीं है। यह हम बच्चे, जिनमें न बल, न बुद्धि, न ही चरित्र का विकास शुरू हुआ है जो अभी भी बहुत भोले हैं, इन सब के बीच सिर्फ एक ही इंसान है जो सर्वगुण संपन्न है, जिसके ज्ञान और आचरण का कोई सानी नहीं है, जिसका विकास संपूर्ण है, जो न तो बेवकूफ है, न ही सुस्त, और वह हूँ मैं, किसी को भी अब मुझे फूलदान बुलाने की इज़ाजत नहीं है।

ये बड़ी अच्छी बात है कि इसे गलती मानने की समझ है। वाइस–प्रिंसिपल चांग अपना चश्मा ठीक करती हुई बोली: मुद्दा ये नहीं है कि गलती बड़ी है या छोटी। असली मुद्दा है इंसान का रवैया अच्छा है या बुरा। क्या वह गलती की तह तक जा पा रहा है? गलती की वजह ढूँढ पा रहा है। सुधार तभी मुमकिन है, अगर नहीं तो फिर सारी बातें बेकार है।

ISBN 812378730-8

9788123787305

nbt.india

वांग श्वो

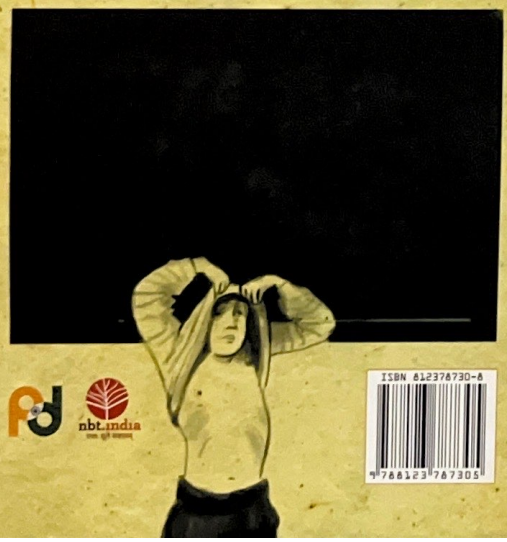

वांग श्वो (*Wang Shuo, 1958*) : चीन के च्यांग सु प्रांत की राजधानी नानचिंग में बीसवीं शताब्दी के अठावनवें साल के आठवें महीने के तेइसवें दिन जन्मे। खुराफ़ाती साहित्य के सरगना वांग श्वो, अब तक बीस से ज़्यादा किस्से-कहानियाँ और टीवी, फ़िल्मों के लिए पटकथाएँ लिख चुके हैं। एक फ़िल्म यूएनच्याफ़ूत्ल (*Father* फादर, 2000) का निर्देशन कर चुके वांग श्वो, कभी बुद्धिजीवियों से, तो कभी सरकार से छत्तीस का आंकड़ा रखने वाले वांग श्वो का नाम आज के चीन के अग्रणी साहित्यकारों, अफ़सानानिगारों में शुमार है। ऊपर से खुराफ़ाती और मसखरे सरीखे दिखने वाले वांग श्वो के अंदर जो एक संजीदा इंसान, बारीक लेखक मौजूद है, *दिखने में खूबसूरत* उस की बेमिसाल मिसाल है।

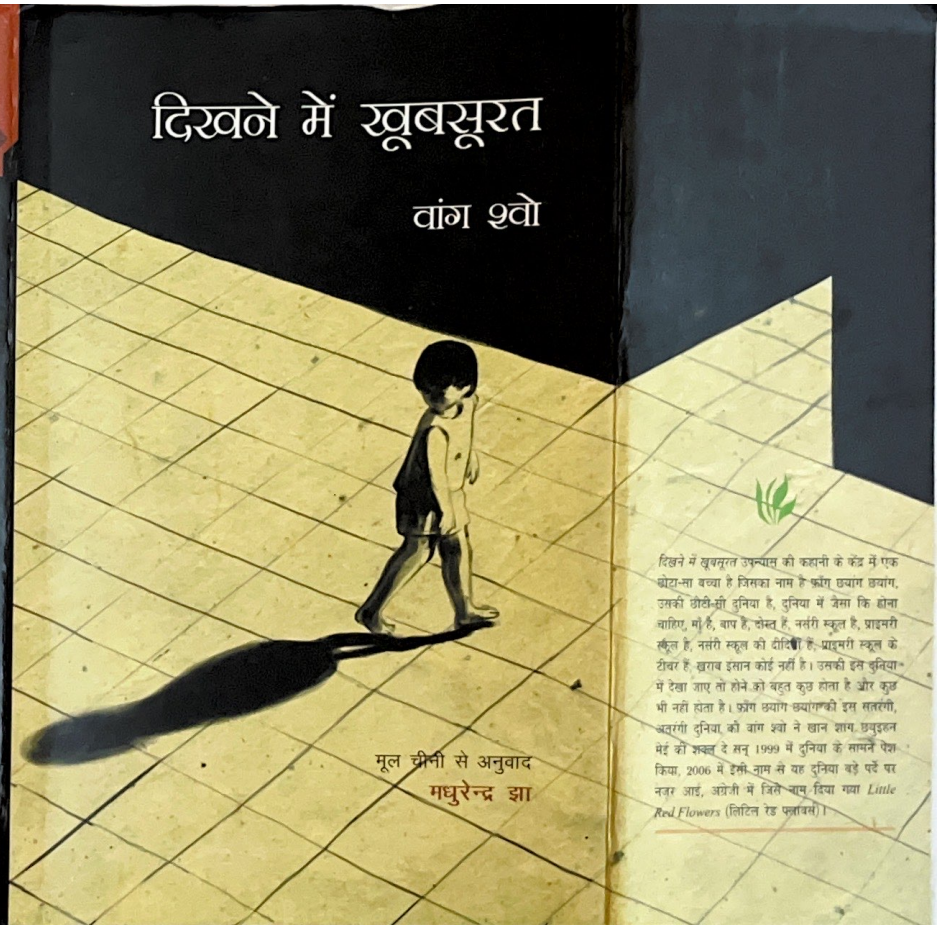

मधुरेन्द्र झा

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से चीनी भाषा, साहित्य व संस्कृति की पढ़ाई करने वाले मधुरेन्द्र झा का किसी उपन्यास का यह पहला अनुवाद है। दून विश्वविद्यालय के चीनी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत मधुरेन्द्र, पेकिंग विश्वविद्यालय में विजिटिंग फेलो रह चुके हैं और वर्तमान में हार्वर्ड विश्वविद्यालय में विजिटिंग फेलो हैं।

आवरण चित्रांकन:
एम्मा-वेनियन